WitWaves
Journal of Multidisciplinary Research

International Peer-Reviewed E-Journal
E-ISSN: 3107-4235

Vol – 2
Issue – 8
August
2025

हिंदी समाचार पत्रों में महिला-विषयक संपादकीय का विश्लेषणात्मक अध्ययन

अक्षरा उपाध्याय[1, *], डॉ. प्राची चतुर्वेदी[2]

[1]शोधार्थी, मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय, बिलकिसगंज, सीहोर, (मप्र)
[2]शोध पर्यवेक्षक, मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय, बिलकिसगंज, सीहोर, (मप्र)

https://doi.org/10.64175/wjmr.vol.2.issue8.1

[1]me.akshara@gmail.com

Article Info

Keywords:
- *संपादकीय विश्लेषण*
- *महिला अधिकार*
- *जेंडर-गैप*
- *एनसीआरबी*
- *पीएलएफएस*
- *एनएफएचएस-5*
- *समाचार-फ्रेमिंग*
- *अमृत महोत्सव*
- *पंच-प्राण*

Abstract

यह अध्ययन भारत की स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के शुरुआती 17 दिनों (15 से 31 अगस्त 2022) में भोपाल से प्रकाशित दो प्रमुख हिंदी दैनिकों—दैनिक भास्कर और पत्रिका—में महिला-विषयक संपादकीयों कातुलनात्मक सामग्री विश्लेषणप्रस्तुत करता है। इस अवधि में कुल 26 संपादकीय प्रविष्टियों (दैनिक भास्कर से 12 और पत्रिका से 14) का विश्लेषण किया गया। दैनिक भास्कर में संपादकीय पर केंद्रित पृष्ठ 'अभिव्यक्ति' का प्रकाशन सप्ताह में 5 दिन होता है। इसी तरह पत्रिका में संपादकीय केंद्रित पृष्ठ 'पत्रिकायन' का प्रकाशन सप्ताह में 6 दिन होता है। स्वतंत्रता दिवस का अवकाश होने के कारण दोनों अखबारों में 16 अगस्त का अंक प्रकाशित नहीं हुआ। आलोच्य अवधि में, महिला-केंद्रित मुख्य लेख दैनिक भास्कर में 1 और पत्रिका में 2 पाए गए। वहीं, आंशिक या संदर्भित उल्लेखक्रमशः दैनिक भास्कर में 1 और पत्रिका में 1 दर्ज किया गया।फ्रेम विश्लेषणसे यह पता चलता है कि दोनों पत्रों में महिला विमर्श मुख्य रूप सेअधिकार-प्रतिनिधित्व, सुरक्षा-न्याय,औरआर्थिक भागीदारी के इर्द-गिर्द केंद्रित था। हालांकि, कवरेज की निरंतरताऔरविषय की गहराईमें अंतर देखने को मिला। पत्रिका में विषय का विस्तार (जैसे एनसीआरबी के आंकड़े, प्रतिनिधित्व और रोजगार) अधिक दिखाई देता है, जबकि दैनिक भास्कर में इस पखवाड़े में महिला विषय पर कवरेज सीमित रहा। यह अध्ययन 'सुशासन, लैंगिक सुरक्षा, और आर्थिक भागीदारी (श्रम बल भागीदारी दर - LFPR)' से जुड़े संकेतकों को जोड़ते हुए भविष्य के व्यापक बहु-स्रोत अनुसंधान के लिए एक मजबूत रूपरेखा प्रदान करता है।

पृष्ठभूमि और प्रस्तावना

भारत की स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव काल (15 अगस्त 2022 से 15 अगस्त 2023) में 'पंच-प्राण' विकसित भारत, औपनिवेशिक सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता-एकात्मकता, और नागरिकों के कर्तव्य—जैसे मूल्य राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में रहे हैं। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव में जिन नौ विषयों- को लक्ष्य किया गया था उनमें पहला ही विषय महिला और बच्चे था। इसी संदर्भ में, यह शोध-पत्र यह जानने का प्रयास करता है कि भोपाल के दो प्रमुख समाचार पत्रों ने महिला-विषयक प्रश्नों—सुरक्षा, प्रतिनिधित्व, शिक्षा-स्वास्थ्य, आर्थिक भागीदारी और अधिकार-आधारित नीतिगत सुधार—को किस तीव्रता और किस फ्रेम में उठाया।

यह शोध निम्नलिखितअनुसंधान प्रश्नों (Research Questions - RQs) पर आधारित है:

- **RQ1.** 15–31 अगस्त 2022 की अवधि में दोनों पत्रों में महिला-विषयक संपादकीय की **आवृत्ति** और **प्रकार** (प्रमुख या आंशिक) क्या है?
- **RQ2.** इन संपादकीयों में प्रमुख फ्रेम कौन-से हैं—(क) अधिकार-प्रतिनिधित्व, (ख) सुरक्षा-न्याय, (ग) आर्थिक भागीदारी-रोज़गार, (घ) स्वास्थ्य-पोषण-कल्याण?
- **RQ3.** नीति-उन्मुख सुझावों काझुकावकिस ओर है—कानून-प्रवर्तन, संस्थागत जवाबदेही, डेटा-मापन, या कल्याण-प्रतिनिधित्व सुधार?

International Peer-Reviewed E-Journal
E-ISSN: 3107-4235
Vol – 2
Issue – 8
August
2025

डेटा एवं पद्धति

यह अध्ययन दो प्राथमिक डेटा स्रोतों पर आधारित है:

1. **दैनिक भास्कर**: अगस्त 2022 के 15 से 31 तारीख तक के संपादकीयों का एक आंतरिक संग्रह (DB Aug 22 Final.xlsx) जिसमें 12 प्रविष्टियाँ शामिल हैं।
2. **पत्रिका**: इसी अवधि के दौरान के संपादकीयों का एक आंतरिक संग्रह (Patrika Aug 22 Final.xlsx) जिसमें 14 प्रविष्टियाँ शामिल हैं।

अवधि: 15–31 अगस्त 2022।

कोडिंग योजना: प्रत्येक संपादकीय प्रविष्टि के शीर्षक, विषय, सार, सुझाए गए कदम और टोन (अंदाज़/स्वर) को एकीकृत करकीवर्ड-आधारित वर्गीकरणकिया गया।

महिला-केंद्रित निर्धारण:

- **प्रमुख (✓)**: संपादकीय का शीर्षक, विषय या तर्क स्पष्ट रूप से 'महिला/नारी/स्त्री/बालिका/जेंडर/लैंगिक' जैसे शब्दों का उपयोग करता है और विषय का केंद्रीय फोकस महिला-संबंधी मुद्दा है।
- **आंशिक (△)**: महिला या जेंडर का संदर्भ मौजूद है, लेकिन लेख का मुख्य केंद्र कोई अन्य व्यापक मुद्दा है (जैसे 'राष्ट्र-निर्माण', 'समावेश' या 'सामाजिक दोष')।

फ्रेम वर्ग: (i) अधिकार-प्रतिनिधित्व, (ii) सुरक्षा-न्याय, (iii) आर्थिक भागीदारी-LFPR-रोज़गार, (iv) स्वास्थ्य-पोषण, (v) संस्कृति-मानसिकता परिवर्तन।

टोन: संपादकीय की टोन को समर्थनात्मक, आलोचनात्मक या संतुलित के रूप में वर्गीकृत किया गया।

अध्ययन की सीमाएँ: यह अध्ययनपखवाड़े-आधारितएक छोटे नमूने (n=26) पर आधारित है। कुछ प्रविष्टियों में सार या टैग अपूर्ण थे, और कीवर्ड-आधारित वर्गीकरण मेंसंदर्भ-संबंधी अस्पष्टताकी संभावना रहती है। इसलिए, प्राप्त परिणाम केवलसंकेतात्मकहैं और एक विस्तृत, महीना-वार श्रृंखला-अध्ययनकी आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

निष्कर्ष- आवृत्ति व प्रकार

3.1 समग्र आवृत्ति

पत्र	कुल संपादकीय (15–31 Aug)	महिला-केंद्रित प्रमुख (✓)	आंशिक/संदर्भ (△)
दैनिक भास्कर	12	1	1
पत्रिका	14	2	1
कुल	**26**	**3**	**2**

व्याख्या: अध्ययन की अवधि में महिला विषयों पर प्रमुख लेखों का अनुपात कुल मिलाकर लगभग 11.5% (3/26) है, जबकि प्रमुख और आंशिक लेखों को मिलाकर यह अनुपात लगभग 19.2% (5/26) है। यह दर्शाता है कि इस पखवाड़े में महिला-एजेंडा उपस्थित तो था, पर उसकी कवरेज सीमित थी।

3.2 शीर्षक-स्तर पर सूची (संक्षेप)

दैनिक भास्कर

- 18-08-2022 — "ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में भारत की स्थिति"
    - **फ्रेम:** अधिकार-प्रतिनिधित्व + आर्थिक भागीदारी।
    - **सुझाव:** महिला श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) बढ़ाने के लिए सुरक्षित कार्यस्थल, कौशल विकास, क्रेच (शिशुगृह), परिवहन सुविधा, औपचारिक रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व।
- 19-08-2022 — "सामाजिक दोष रहते नया भारत?"
    - **फ्रेम:** सामाजिक जड़ताएँ।
    - **संदर्भ:** लैंगिक भेद को एक प्रमुख सामाजिक दोष के रूप में उल्लेखित किया गया, लेकिन लेख का केंद्र व्यापक समाज-सुधार पर था।

पत्रिका

- 17-08-2022 — "'आधी आबादी' को पूरा हक दिलाने का वक्त"
    - **फ्रेम:** अधिकार-प्रतिनिधित्व + रोजगार-भागीदारी।
    - **सुझाव:** विधायिकाओं और स्थानीय निकायों में प्रभावी प्रतिनिधित्व, कौशल और रोजगार के अवसर, तथा सुरक्षा-सुविधाओं का प्रावधान।
- 31-08-2022 — "चिंता बढ़ाते हैं महिला उत्पीड़न के आंकड़े"
    - **फ्रेम:** सुरक्षा-न्याय।
    - **सुझाव:** फास्ट-ट्रैक कोर्ट, फोरेंसिक और जांच क्षमताओं में सुधार, पुलिस संवेदनशीलता और समयबद्ध न्याय।
- 15-08-2022 — "गौरव के साथ संकल्प और चिंतन का दिवस"
    - **फ्रेम:**अमृत महोत्सव का व्यापक एजेंडा।
    - **संदर्भ:**समावेशी विकास में महिला-हितों का उल्लेख किया गया।

फ्रेम विश्लेषण

4.1 अधिकार/प्रतिनिधित्व

दोनों पत्रों में राजनीतिक और सार्वजनिक संस्थानों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की मांग स्पष्ट दिखती है। पत्रिका इस आग्रह को अधिक स्पष्टता से प्रस्तुत करता है, जबकि दैनिक भास्कर जेंडर-गैप रिपोर्ट के संदर्भ में नीतिगत लक्ष्यों का सुझाव देता है।

4.2 सुरक्षा/न्याय

पत्रिका का 31 अगस्त का लेख एनसीआरबी (National Crime Records Bureau) के प्रत्यक्ष आंकड़ों और प्रवर्तन-केंद्रित समाधानों (जैसे फास्ट-ट्रैक कोर्ट और फोरेंसिक क्षमताओं) पर जोर देता है। दैनिक भास्कर में इसी अवधि में सुरक्षा-केंद्रित कोई स्वतंत्र संपादकीय देखने को नहीं मिला। यह कवरेज का अंतर भविष्य के विश्लेषण के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है।

4.3 आर्थिक भागीदारी (LFPR/रोज़गार)

दैनिक भास्कर का 18 अगस्त का लेख आर्थिक भागीदारी, कौशल विकास, औपचारिक रोजगार और सुरक्षित कार्यस्थल पर ठोस सुझाव देता है। पत्रिका का 17 अगस्त का लेख भी रोजगार और प्रतिनिधित्व को प्रमुख लक्ष्य के रूप में बताता है।

4.4 स्वास्थ्य/पोषण

इस पखवाड़े में महिला स्वास्थ्य (जैसे एनीमियाया मातृ-स्वास्थ्य) पर कोई समर्पित संपादकीय नहीं मिला, हालांकि यह व्यापक कल्याण और समावेशी विकास के संदर्भ में अप्रत्यक्ष रूप से उपस्थित था।

5-नीतिगत/ कार्य उन्मुख सुझाव

इस अध्ययन में प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर निम्नलिखित नीतिगत और कार्य-उन्मुख सुझाव सामने आते हैं:

- **कानून-प्रवर्तन व समयबद्ध न्याय:** फास्ट-ट्रैक अदालतें, फोरेंसिक क्षमताओं में वृद्धि, पीड़ित-केंद्रित प्रक्रियाएँ, और पुलिस संवेदनशीलता को बढ़ावा देना।
- **संस्थागत प्रतिनिधित्व/आरक्षण:** विधायिकाओं, स्थानीय निकायों और समितियों में महिलाओं की प्रभावी औरसार्थक भागीदारीसुनिश्चित करना।
- **आर्थिक भागीदारी:** महिलाश्रम बल भागीदारी दर (LFPR) बढ़ाने के लिए सुरक्षित कार्यस्थल, क्रेच सुविधाएँ, परिवहन, कौशल-विकास, औपचारिक रोजगार और उद्यमिता को सहायता देना।
- **डेटा-पारदर्शिता व निगरानी:** LFPR, वेतन-अंतर, नेतृत्व के पदों पर महिलाओं की संख्या, अपराध निपटान समय औरन्यायिक विलंबजैसे संकेतकों को नियमित सार्वजनिक डैशबोर्ड पर उपलब्ध कराना।
- **मानसिकता-परिवर्तन व सार्वजनिक अभियान:** विद्यालय, कॉलेज और समुदाय स्तर परजेंडर-संवेदी कार्यक्रमचलाना और डिजिटल सुरक्षा व साइबर-हिंसा निवारण पर जागरूकता बढ़ाना।

विमर्श

इस पखवाड़े में, पत्रिका ने महिला विषय पर दो प्रमुख और एक आंशिक संपादकीय प्रकाशित किए, जिनमें सुरक्षा-न्याय और अधिकार-प्रतिनिधित्व दोनों की स्पष्ट उपस्थिति है। वहीं, दैनिक भास्कर में जेंडर-गैप-भागीदारी पर एक प्रमुख लेख था, लेकिन सुरक्षा-केंद्रित लेख इस अवधि में नहीं मिला, जबकि सामाजिक दोषों पर एक आंशिक उल्लेख मौजूद था।

यह विश्लेषण दर्शाता है कि, कम से कम अगस्त 2022 के इस पखवाड़े में, पत्रिका का महिला-कवरेज अधिकआवृत्तऔरविषय-विस्तृतथा। इसके विपरीत, दैनिक भास्कर का फोकस उसी अवधि में मुख्य रूप सेगवर्नेंस-जवाबदेही , आर्थिक-कृषिऔरशहरी-नियमनजैसे विषयों पर अधिक रहा।

परिकल्पाएं-व्यापक अध्ययन हेतु

H1 (कवरेज तीव्रता): 2022–23 की वार्षिक अवधि में, पत्रिका का महिला-कवरेज (प्रमुख + आंशिक) अनुपात, दैनिक भास्कर की तुलना में अधिक होगा।

- **H2 (फ्रेम ओरिएंटेशन):** पत्रिका में सुरक्षा-न्याय फ्रेम काबलऔर दैनिक भास्कर में आर्थिक भागीदारी-प्रतिनिधित्व फ्रेम का बल अपेक्षाकृत अधिक होगा।
- **H3 (डेटा-आधारित संपादकीय):** एनसीआरबी, पीएलएफएस, एनएफएचएस या डब्ल्यूईएफ जैसेडेटा-आधारित संदर्भोंका उपयोग पत्रिका में अधिक निरंतर होगा।

निष्कर्ष

यह अध्ययन दर्शाता है कि महिला-विषय इस पखवाड़े की अवधि में दोनों पत्रों की संपादकीय प्राथमिकताओं में मौजूद तो है, लेकिन व्यवस्थित औरउच्च-आवृत्ति कवरेजअभी भीवांछितहै। नीतिगत दृष्टिकोण से, संपादकीयों का नियमित, डेटा-समर्थितऔरसमाधान-उन्मुखीहोना जेंडर-समानता के एजेंडे को सशक्त बनाता है।

आगे का रोडमेप

- **अवधि का विस्तार:** 15 अगस्त 2022 से 15 नवंबर 2022 और फिर अगस्त 2023 तक, महीना-दर-महीनाश्रृंखला-विश्लेषण।
- **संकेतक सेट:**महिला-श्रम बल भागीदारी दर, वेतन-अंतर, निर्णय-निर्माण में भागीदारी , अपराध-दर और निपटान समय, मातृ-स्वास्थ्य-एनीमिया, और शिक्षा प्राप्ति जैसे संकेतकों के साथ संपादकीय-फ्रेम कासह-संबंध।
- **चार्ट/ग्राफ़:**विषय-वार, फ्रेम-वार, टोन, और सुझाव-श्रेणी (कानून-प्रवर्तन; जवाबदेही; डेटा-मापन; कल्याण-प्रतिनिधित्व) केग्राफ़िक निरूपण।
- **गुणात्मक केस-स्टडी:**सुरक्षा-विषयक केस (फास्ट-ट्रैक), रोजगार-उद्यमिता मॉडल, और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्थानीय प्रयोगों परगुणात्मक अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. International Institute for Population Sciences (IIPS) & ICF. (2021). **National Family Health Survey (NFHS-5), 2019–21: India (Final report)**. IIPS. https://dhsprogram.com/pubs/pdf/FR375/FR375.pdf
2. International Institute for Population Sciences (IIPS) & ICF. (2021). **NFHS-5 (2019–21): India—National fact sheet**. IIPS. https://dhsprogram.com/pubs/pdf/OF43/India_National_Fact_Sheet.pdf
3. Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI). (2022, September 12). **Consumer Price Index numbers on base 2012=100 for rural, urban and combined for the month of August 2022** [Press release]. National Statistical Office. https://www.mospi.gov.in/sites/default/files/press_release/CPI_PR_Aug22.pdf
4. Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI), National Sample Survey Office (NSSO). (2023). **Periodic Labour Force Survey (PLFS), Annual report 2021–22**. Government of India. https://www.mospi.gov.in/sites/default/files/publication_reports/AnnualReportPLFS2021-22F1.pdf
5. National Crime Records Bureau (NCRB). (2022). **Crime in India 2021 (Vol. 1)**. Ministry of Home Affairs, Government of India. https://ncrb.gov.in/sites/default/files/CII-2021/CII_2021Volume%201.pdf
6. National Crime Records Bureau (NCRB). (2022). **Crime in India 2021 (Consolidated PDF)**. NCRB. https://www.indiaenvironmentportal.org.in/files/file/crime%20in%20india%202021.pdf

7. Press Information Bureau (PIB). (2022, August 15). **The Prime Minister, Shri Narendra Modi addressed the nation from the ramparts of the Red Fort on 76th Independence Day (PanchPran of Amrit Kaal)**. https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1852024

8. Prime Minister's Office (PM India). (2022, August 15). **PM's address to the nation from ramparts of the Red Fort on the occasion of 76th Independence Day**. https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/pms-address-to-the-nation-from-ramparts-of-the-red-fort-on-the-occasion-of-76th-independence-day/

9. Reserve Bank of India (RBI). (2023). **Handbook of Statistics on the Indian Economy 2022–23**. RBI. https://fidcindia.org.in/wp-content/uploads/2023/09/RBI-HANDBOOK-OF-STATISTICS-OF-INDIAN-ECONOMY-15-09-23.pdf

10. Reuters. (2022, August 27). **Gone in 15 seconds: India to raze skyscrapers in record demolition**. Reuters. https://www.reuters.com/world/india/gone-15-seconds-india-raze-skyscrapers-record-demolition-2022-08-27/

11. Reuters. (2022, August 28). **Plumes of dust as India demolishes illegal skyscrapers**. Reuters. https://www.reuters.com/world/india/families-near-indian-skyscraper-demolition-site-vacate-homes-2022-08-28/

12. Roy, E. (2022, August 30). **Crime against women rose by 15.3% in 2021: NCRB**. *The Indian Express*. https://indianexpress.com/article/india/crime-against-women-rose-by-15-3-in-2021-ncrb-8119739/

13. Ministry of Women & Child Development. (2023, December 13). **Several steps taken by Government to promote safety, security and empowerment of women** [Press release citing NCRB]. PIB. https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2085607

14. Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI). (2022). **Annual report 2021–22 (includes PLFS release details)**. Government of India. https://www.mospi.gov.in/sites/default/files/main_menu/annual_report_2011_2012/Annual_Report_Ministry/Printed_Annual_Report_2021_22_%28Eng.%29.pdf

15. World Economic Forum (WEF). (2022). **Global Gender Gap Report 2022**. WEF. https://www3.weforum.org/docs/WEF_GGGR_2022.pdf

16. World Economic Forum (WEF). (2022). **Global Gender Gap Report 2022—Chapter 1: Benchmarking gender gaps, 2022** (Web version). https://www.weforum.org/publications/global-gender-gap-report-2022/in-full/1-benchmarking-gender-gaps-2022/

17. World Economic Forum (WEF). (2022). **Global Gender Gap: India ranking and pillars** (brief). WEF / IAS Score summary note. https://uploads.iasscore.in/pdf/28._GLOBAL_GENDER_EQUALITY.pdf